साहित्य अकादमी में प्रवासी भारतीय रचनाकारों ने हिंदी भाषा के उत्थान पर किया मंथन

जासं, नई दिल्ली : भारतीय साहित्य अकादमी की ओर से मंगलवार को विश्व हिंदी दिवस एवं प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर प्रवासी मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विदेशों से आए छह हिंदी साहित्यकारों ने भी शिरकत की।

इस कार्यक्रम में प्रवासी साहित्यकारों ने अपनी स्वरचित कुछ कविताओं का भी पाठ किया। इन कविताओं के विषय मुख्यतः किसी अन्य धरती पर अपने देश भारत की यादों से संबंधित थे।

कार्यक्रम में रेखा राजवंशी (आस्ट्रेलिया), जय वर्मा (ब्रिटेन), अनीता कपूर (अमेरिका), सुरेश चंद्र शुक्ल (नार्वे), अनूप भार्गव (अमेरिका) एवं रजनी भार्गव (अमेरिका) ने हिस्सा लिया। इन लोगों ने अपने-अपने देशों में हिंदी की स्थिति और अपने प्रयासों की भी चर्चा की। रचनाकारों ने विदेश में हिंदी के विकास के लिए कुछ सुझाव भी दिए। इस बाबत एक ऐसी वेबसाइट के निर्माण की चर्चा की गई, जिसमें हिंदी पढ़ने-पढ़ाने के स्थानों का उल्लेख हो।

वक्ताओं ने कहा कि देश दुनिया में हिंदी की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। अब एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, रेडियो स्टेशन एवं टीवी केंद्रों में हिंदी में सूचनाएं एवं कार्यक्रम प्रसारित होते हैं।